No. of Printed Pages : 6 **BHMCT–108**

B. A. (HONS.) (PERFORMING ARTS)

HINDUSTANI MUSIC

(BAPFHMH)

Term-End Examination

December, 2025

BHMCT-108 : STUDY OF TREATISES, GHARANAS AND ELEMENTARY KARNATAKA MUSIC

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Please adhere to the word limit strictly.*

Note : *Answer any* ***ten*** *questions in about* ***500*** *words each. All questions carry equal marks.*

1. Discuss about the changes in Indian Music after the 14th century which gradually took shape as Karnataka music system.

2. Discuss elaborately on the contribution of Muthuswami Dixitar, Shyama Shastri and Tyagaraja in enriching the repertoire of Karnataka Music.
3. Describe in detail about the Tala System in Karnataka Music.
4. Describe in detail about the role of Pt. Ravi Shankar as an ambassador of Indian Classical Music.
5. Discuss in detail about the context of medieval treatise 'Swaramelakalanidhi'.
6. Write short notes on any *two* of the following personalities :
   (a) Kumar Gandharva
   (b) Siddeshwari Devi
   (c) Pt. Lalmani Mishra
   (d) Sumati Matatkar
7. Write short notes on the following forms :
   (a) Kriti
   (b) Keertanam
   (c) Jawali
   (d) Thillana

8. Write in detail on the life and musical journey of Surashri Kesarbai Kerkar.
9. Give a brief description of the books written by Pt. V. B. Bhatkhande.
10. Write down the description of the Ragas Jaunpari and Bihag.
11. Write down the details and Thekas of Jhaptal and Chautal.
12. Write an elaborated note on the Bhindi Bazar Gharana.

BHMCT–108

बी. ए. (ऑनर्स) (प्रदर्शन कला) हिन्दुस्तानी संगीत

(बी.ए.पी.एफ.एच.एम.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एच.एम.सी.टी.-108 : ग्रन्थों, घरानों और प्राथमिक कर्नाटक संगीत का अध्ययन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कृपया अपना उत्तर शब्द-सीमा के अन्दर लिखें।*

नोट : *किन्हीं **दस** प्रश्नों के उत्तर लगभग **500** शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. चौदहवीं शताब्दी के बाद भारतीय संगीत में आये उन बदलावों के बारे में चर्चा कीजिए, जिस वजह कर्नाटक संगीत का विकास हुआ।

2. कर्नाटक संगीत की गेय सामग्री को समृद्ध बनाने में मुत्तुस्वामी दीक्षितर, श्यामा शास्त्री और त्यागराज के योगदानों के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा कीजिए।

3. कर्नाटक संगीत में ताल पद्धति का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

4. भारतीय संगीत के दूत के रूप में पं. रवि शंकर की भूमिका का विवरण दीजिए।

5. मध्यकालीन ग्रंथ 'स्वरमेलकलानिधि' पर विस्तृत चर्चा कीजिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** व्यक्तित्वों पर टिप्पणी लिखिए :

   (क) कुमार गांधर्व

   (ख) सिद्धेश्वरी देवी

   (ग) लालमणि मिश्र

   (घ) सुमति मुटाटकर

7. निम्नलिखित गेय विधाओं पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) कृति

   (ख) कीर्तनम

   (ग) जावली

   (घ) तिल्लाना

8. सुरश्री केसरबाई केरकर के जीवन और सांगीतिक यात्रा का विशद विवरण दीजिए।

9. पं. वी. एन. भातखण्डे द्वारा लिखित पुस्तकों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

10. राग जौनपुरी और राग बिहाग के बारे में विस्तृत जानकारी दीजिए।

11. झपताल और चौताल का विवरण ठेका सहित लिखिए।

12. भिंडी बाजार घराने का विस्तृत विवरण दीजिए।

× × × × ×